सिक्किम विश्वविद्यालय
स्थापित: 2007

वॉल्यूम: VI
अंक: V
अगस्त 2018

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

स्वतंत्रता दिवस समारोह

विश्वविद्यालय में बड़े उत्साह और उमंग के साथ 72 वें स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने कंचनजंघा प्रबंधन में एकत्र हुए। कुलपति प्रोफेसर ज्योति प्रकाश तामांग ने राष्ट्रीय ध्वज ध्वजारोहण किया और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कुलसचिव श्री टी.के. कौल ने भारतीय स्वतंत्रता के 72 वें वर्ष के अवसर पर उपस्थित सभी को संबोधित किया और बधाई दी।

शोक सभा

16 अगस्त 188 को भारत ने अपने सुप्रतिष्ठित नेताओं में से एक श्री अटल बिहारी वाजपेयी को खो दिया। श्री वाजपेयी ने 1 998 से 2004 तक भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया था। उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा 2015 में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। श्री वाजपेयी को 200 9 में स्ट्रोक हुआ था, जो उनके भाषण को प्रभावित किया और तब से अस्वस्थ हो गए थे। 16 अगस्त 2018 को उनका निधन हो गया। स्वर्गीय नेता और भारत के पूर्व प्रधान मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 17 अगस्त 2018 को विश्वविद्यालय के कंचनजंघा प्रबंधन खंड में एक शोक सभा आयोजित की गई थी।

संपादकीय

प्रियजनों,

अगस्त के महीने में विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इतिहास और इतिहासशास्त्र का राष्ट्रीय सम्मेलन एक महत्वपूर्ण आयोजन था जिसका लक्ष्य पारंपरिक ज्ञान प्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहासकारों के संपर्क सूत्र स्थापित करना था।

हम डॉ स्वाती अक्षय सचदेव, सह प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग को संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में पारंपरिक समाज: सिक्किम का एक अध्ययन शीर्षक पेपर प्रस्तुत करने के लिए बधाई देते हैं।

16 अगस्त 2018 को एक प्रमुख नेता, राजनेता और कवि - पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर पूरे भारत में शोक व्यक्त किया गया था। स्वर्गीय नेता का सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय में एक शोक सभा आयोजित की गई।

इस अंक में विश्वविद्यालय में आयोजित कुछ कार्यक्रमों और गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है और मुझे आशा है कि आप इसे पढ़कर खुश होंगे और एसयू क्रॉनिकल के लिए लिखते रहेंगे और योगदान देते रहेंगे।

कुंजिनी प्रकाश दर्नाल

इस अंक में :

संपादकीय
72वां स्वतंत्रता दिवस समारोह
शोध सभा : श्री अटल बिहारी वाजपेयी
भारतीय विज्ञान: इतिहास एवं इतिहास शास्त्र पर राष्ट्रीय सेमिनार : एक संक्षिप्त रिपोर्ट
प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम : एक संक्षिप्त रिपोर्ट
पारंपरिक समाजों पर विकास की सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मूल्य : सिक्किम का एक अध्ययन: डॉ. स्वाती ए. सचदेव, सह प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग
एनआईआरएफ पर विचार मंथन कार्यशाला
नेपाली भाषा मान्यता दिवस 2018
मैथिली शरण गुप्त की १३२वीं जन्मजयंती

ईमेल पता : suchronicle@cus.ac.in

"भारतीय विज्ञान: इतिहास और इतिहासलेखन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

डॉ. वीनू पंत, सह प्राध्यापक इतिहास विभाग

इतिहास विभाग ने 1 अगस्त से 3 अगस्त 2018 तक "भारतीय विज्ञान: इतिहास और इतिहासशास्त्र" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में भारतीय विज्ञान के इतिहास के विभिन्न पहलुओं और इसके विभिन्न व्याख्यानों पर चर्चा की गई। सम्मेलन को आठ सत्रों में विभाजित किया गया था जिसमें उद्घाटन और समापन सत्र और दो विशेष व्याख्यान शामिल थे। इस सम्मेलन में इतिहास और विज्ञान के क्षेत्र से सौ विद्वानों ने भाग लिया और इस तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान भारतीय विज्ञान : इतिहास और इतिहासलेखन के विभिन्न पहलुओं पर 40 प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गयी थी। सम्मेलन का उद्घाटन सत्र कुलपति प्रोफेसर ज्योति प्रकाश तामांग, प्रोफेसर नारायण राव, सदस्य, आईसीएचआर और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, डॉ. बालमुकुंद पांडे, राष्ट्रीय आयोजक सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना और प्रोफेसर स्मृति कुमार सरकार, पूर्व कुलपरि, बर्धमान विश्वविद्यालय और अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल इतिहास संकलन समिति उपस्थित रहें। तकनीकी सत्रों के बीच में भारतीय ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष विज्ञान पर प्रतिस्थित अंकशास्त्रविद और ज्योतिषी डॉ. कुमार गणेश द्वारा एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था। उन्होंने भारतीय खगोल विज्ञान का एक विश्व दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, न केवल भारतीय पारंपरिक ज्ञान के इस छिपे हुए पहलू के योगदान पर प्रकाश डाला बल्कि प्राचीन और मध्ययुगीन काल के दौरान ज्ञात दुनिया में पहुंच और प्रसार को इंगित किया।

कुलपति प्रोफेसर ज्योति प्रकाश तामांग ने "भारतीय किण्वित खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थों के इतिहास और संस्कृति" पर एक विशेष व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने न केवल पारंपरिक भोजन के महत्व को समझाया बल्कि इतिहासकारों को पारंपरिक भोजन और उसके वैज्ञानिक मूल्य के इतिहास पर काम करने के लिए आह्वान किया।

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रो. एम. यासीन, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, युवा और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, श्रीपुम्बुदूर, तमिलनाडु के सहयोग से दिनांक ७ अगस्त से ९ अगस्त २०१८ तक कावारी हॉल में तीन दिवसीय “प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण” कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन सिक्किम विश्वविद्यालय के सामाजिक विकास के लिए सिक्किम में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया से जुड़े स्थानीय स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों और गतिविधियों पर एनएसएस अधिकारियों और स्वयंसेवकों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से किया गया था। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थियों और छात्रों के अलावा अधिकतर सिक्किम के चारों जिलों के ग्राम पंचायतों और जिला पंचायतों के चयनित सदस्य और विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय के एनएसएस अधिकारी थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति शैक्षणिक क्षेत्रों के अलावा स्थानीय प्रशासन और ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में व्यापक अनुभव रखनेवाले के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में व्यापक व्यावहारिक अनुभूव रखनेवाले अधिकारी थे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर ज्योति प्रकाश तामांग ने किया था। इस अवसर पर श्री अनिल राज राय, विशेष सचिव, ग्रामीण प्रबंधन और विकास विभाग, सिक्किम सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। प्रो इंद्रजीत सिंह सोधी, स्थानीय शासन विभाग के प्रमुख, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' कार्यक्रम के संयोजक के रूप में कार्यक्रम के उद्देश्य और औचित्य की जानकारी दी।

एनआईआरएफ़ रैंकिंग के लिए प्रक्रिया एवं तैयारी पर विचार मंथन कार्यशाला

डॉ. एन. सत्यनारायण, प्रोफेसर, बॉटनी विभाग

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) एक ढांचा है जो प्रदर्शन के आधार पर पूरे देश में उच्च शिक्षा संस्थानों को स्तर प्रदान करने के लिए एक पद्धति की रूपरेखा तैयार करता है। विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को रैंकिंग के लिए पैरामीटर्स की पहचान करने के लिए एमएचआरडी द्वारा स्थापित कोर कमेटी द्वारा समग्र सिफारिशों और व्यापक समझ आधार पर पद्धति शुरू की गई है। इसे एमएचआरडी द्वारा अनुमोदित किया गया था और 29 सितंबर 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा शुरू किया गया था। सिक्किम विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है जो पिछले दो वर्षों से इस रैंकिंग में शामिल है।

दिनांक 13 अगस्त 2018 को सम्मेलन कक्ष, बराद सदन में एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए प्रक्रिया और तैयारी पर एक विचार मंथन कार्यशाला आयोजित की गई थी। एनआईआरएफ रैंकिंग प्रक्रिया और विश्वविद्यालय की मौजूदा रैंकिंग में सुधार लाने के लिए तैयारी के बारे में संकाय सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ सलाहकार समिति ने कार्यशाला का आयोजन किया था।

प्रोफेसर विश्वजित महान्ति, औद्योगिक और सिस्टम इंजीनियरिंग विभाग और पूर्व डीन (योजना), प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर ने एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। कुलपति प्रो ज्योति प्रकाश तामांग मुख्य-अतिथि थे और कार्यशाला में सांविधिक अधिकारियों, डीन, विभागों के अध्यक्ष, संकाय सदस्यों और एनआईआरएफ़ सलाहकार समिति के सदस्यों सहित 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रोफेसर तामांग ने सिक्किम विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ रैंकिंग में सुधार की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए उपायों को वित्त पोषित करने और रेखांकित करने की प्रासंगिकता को देखते हुए इसकी आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से अनुसंधान और व्यावसायिक प्रथाओं के संबंध में परिणामों में सुधार के लिए विश्वविद्यालय को एक साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। प्रोफेसर महान्ती ने अपनी व्याख्यान में स्पष्ट शब्दों में एनआईआरएफ रैंकिंग प्रक्रिया के दौरान देखे जानेवाले विभिन्न पैरामीटर के बारे में बताया।

"पारंपरिक समाजों पर विकास की सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मूल्य : सिक्किम का एक अध्ययन"

दिनांक १६ जुलाई 2018 को संयुक्त राष्ट्र (न्यूयॉर्क) में डॉ. स्वाती अक्षय सचदेवा, सह प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग ने "पारंपरिक समाजों पर विकास की सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मूल्य : सिक्किम का एक अध्ययन" शीर्षक से एक प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति सतत विकास और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर चर्चा करने के लिए अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन द्वारा प्रायोजित 2018 हाई लेवल पॉलिटिकल फॉर्म (एचएलपीएफ) की हिस्सा थी। उन्होंने क्षमता निर्माण और निवास में अंतर और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे को निर्धारित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया और सिक्किम जैसे विकासशील समाजों में कम संसाधन व्यवस्था में मानसिक स्वास्थ्य के उपचार के लिए साक्ष्य आधारित सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रस्तुत किया।

इस यात्रा के दौरान उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और पेस विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क में लोगों और सामुदायिक स्वास्थ्य श्रमिकों के लिए कार्यान्वयन और प्रशिक्षण पर भी एक प्रस्तुति दी।

नेपाली भाषा मान्यता दिवस

डॉ. पुष्पा शर्मा, अध्यक्ष, नेपाली विभाग

नेपाली विभाग ने दिनांक 24 अगस्त 2018 को 26 वें "नेपाली भाषा मान्यता दिवस" और 204 वें "भानु स्मरण कार्यक्रम" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ज्योति प्रकाश तामांग ने की थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रुद्र पोद्याल, अध्यक्ष, सिक्किम साहित्य परिषद थे। श्री पोद्याल ने समारोह में मुख्य भाषण प्रदान किया। डॉ कविता लामा, डीन, भाषा और साहित्य विद्यापीठ ने भानु भक्त आचार्य के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी दी। सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के डीन डॉ. नवल के. पासवान ने संस्कृति और विरासत को प्रसारित करने में भाषा के महत्व पर बात की।

नेपाली विभाग के छात्रों ने नेपाली गाने, कविताओं और नृत्य प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया था।

मैथिलीशरण गुप्त की १३२वीं जन्म जयंती

डॉ. बृजेन्द्र कुमार अग्निहोत्री, हिंदी विभाग

दिनांक ३ अगस्त २०१८ को हिंदी विभाग के तत्वावधान में मैथिलीशरण गुप्त की 132 वीं जन्म वार्षिकी आयोजित की गई थी। डॉ. छुकी भूटिया ने फाँके विस्तृत व्याख्यान में राष्ट्रीय कवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक योगदान के औचित्य पर प्रकाश डाला, समाज को अनदेखा पात्रों के साथ प्रस्तुत ऐतिहासिक और पौराणिक कहानियां उन्हें समकालीन संदर्भों में जोड़ती हैं। हिंदी के छात्रों ने मैथिलीशरण गुप्त के साहित्य पर भी चर्चा की और उनकी कुछ लोकप्रिय कविताओं को पढ़ा। डॉ. बृजेंद्र अग्निहोत्री ने अपनी तीन प्रकाशित कविता संग्रह- 'यादें', 'पूजाग्नि' और 'ख्वाहिशें' से कुछ स्वरचित कविताओं का पाठ किया।